Department of Commercial Tax
Government of Jharkhand

DIPP Point No. 218

Question	Remarks
8e. Registration for Central Sales Tax (CST) **Q:** Define clear timelines mandated through legislation for approval of complete application	Notification no 2499 dated 13/8/12 available

झारखण्ड सरकार
वाणिज्य–कर विभाग

पत्र संख्या– वा0कर1/विविध/22/2010 – 2499 / राँची, दिनांक – 13/8/12

प्रेषक,

मस्त राम मीणा,
सचिव–सह–आयुक्त,
वाणिज्य–कर विभाग,
झारखण्ड, राँची।

सेवा में,

सभी वाणिज्य–कर संयुक्त आयुक्त (प्रशासन)/(सैट ऑडिट)/(अपील),
सभी वाणिज्य–कर अंचल प्रभारी।

विषयः– वाणिज्य–कर विभाग में केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम, 1956 के अधीन **e-registration** की प्रक्रिया विहित करने के संबंध में।

प्रसंगः– झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 3A तथा केन्द्रीय बिक्री कर (झारखण्ड) नियमावली, 2006 के नियम 3 तथा 3A।

महोदय/महोदया,

उपर्युक्त विषय के संबंध में सूचित करना है कि दिनांक 06.07.2011 के प्रभाव से वाणिज्य–कर विभाग में झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 तथा सुसंगत नियमावली के अधीन e-registration योजना का शुभारंभ किया जा चुका है। उसी क्रम में केन्द्रीय बिक्री कर (झारखण्ड) नियमावली, 2006 के नियम 3 (ii), झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 3A (vi) के साथ पठित, के प्रावधान के अनुसार आयुक्त द्वारा केन्द्रीय बिक्री कर, 1956 की धारा 7(1) के अधीन e-registration हेतु प्रक्रिया (विभागीय संकल्प संख्या– 211 दिनांक 01.02.2011 के सदृश्य) विहित की जाती है:–

1. केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम के अधीन निबंधन प्राप्त करने हेतु इच्छुक व्यवसायी विभागीय वेबसाईट http://jharkhandcomtax.nic.in के e-services Section के अधीन e-registration के link को click करने के उपरांत VAT के साथ–साथ CST Registration, Form-A को भरकर ऑन–लाईन आवेदन समर्पित कर सकते हैं।
2. ऐसे व्यवसायी जिन्होंने झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 तथा सुसंगत नियमावली के अधीन पूर्व में ही निबंधन प्राप्त कर चुके हैं उन्हें विभागीय वेबसाईट http://jharkhandcomtax.nic.in के e-services Section के e-return (Dealer's Login) link के माध्यम से CNTRAL FORM menu के Sub-menu CST Registration में click कर विहित आवेदन प्रपत्र Form-A में ऑन–लाईन आवेदन समर्पित करना होगा।

Department of Commercial Tax
Government of Jharkhand

3. अंचल प्रभारी द्वारा ऐसे दाखिल/प्राप्त ऑन-लाईन आवेदनों का सत्यापन (verification) किया जाएगा। आवेदन प्राप्त होने के दो दिनों के अन्दर व्यवसायी को sms/e-mail द्वारा निर्धारित तिथि एवं समय पर आवश्यक कागजातों Security Bond सहित संबंधित अंचल प्रभारी के समक्ष उपस्थित होने की सूचना दी जाएगी।

निर्धारित तिथि एवं समय पर व्यवसायी ऑनलाईन समर्पित आवेदन की हस्ताक्षरित हार्ड कॉपी तथा अन्य संबंधित कागजातों की मूल प्रति के साथ अंचल प्रभारी के समक्ष उपस्थित होंगे। आवेदक व्यवसायी के आवेदन तथा उपस्थापित कागजातों के जाँच कर संतुष्ट होने के उपरांत अंचल प्रभारी द्वारा निबंधन प्रमाण-पत्र (Form-B) निर्गत किया जाएगा अन्यथा व्यवसायी के आवेदन को रद्द कर दिया जाएगा जिसकी सूचना sms/e-mail द्वारा कारण सहित आवेदक व्यवसायी को दी जाएगी।

4. CST के अधीन निबंधन प्रमाण पत्र के साथ आवंटित TIN झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 के अधीन निर्गत TIN के समान होगा। उक्त TIN में अंतिम 3 Digit (101) Suffix कर दिया जाएगा।

5. ऑन-लाईन आवेदन तथा आवश्यक कागजात समर्पित करने के पाँच दिनों के भीतर TIN तथा निबंधन प्रमाण पत्र निर्गत किया जाना आवश्यक है।

6. ऐसे व्यवसायी जो पूर्व में ही Manually CST निबंधन प्रमाण पत्र प्राप्त कर चुके हैं उन्हें विभागीय वेबसाईट http://jharkhandcomtax.nic.in के e-services Section के e-return (Dealer's Login) में उपलब्ध CENTRAL FORM menu के Sub-menu "CST Profile Update" को update अपेक्षित है। CST Profile Update करने की पूरी प्रक्रिया विभागीय वेबसाईट के "User Manual of Form 'C'" में उपलब्ध है।

Timeline for issuance of CST registration certificate

विश्वासभाजन

15.9.12

सचिव-सह-आयुक्त,
वाणिज्य-कर विभाग,
झारखण्ड, राँची।

SUPPORTING DOCUMENT

84, 196, 208, 212
218,

झारखण्ड सरकार

वाणिज्य–कर विभाग

पत्र संख्या– वा0कर1/विविध/22/2010 – 2499 / राँची, दिनांक – 13/8/12

प्रेषक,

मस्त राम मीणा,
सचिव–सह–आयुक्त,
वाणिज्य–कर विभाग,
झारखण्ड, राँची।

सेवा में,

सभी वाणिज्य–कर संयुक्त आयुक्त (प्रशासन)/(वैट ऑडिट)/(अपील),
सभी वाणिज्य–कर अंचल प्रभारी।

विषयः– वाणिज्य–कर विभाग में केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम, 1956 के अधीन **e-registration** की प्रक्रिया विहित करने के संबंध में।

प्रसंगः– झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 3A तथा केन्द्रीय बिक्री कर (झारखण्ड) नियमावली, 2006 के नियम 3 तथा 3A।

महोदय/महोदया,

उपर्युक्त विषय के संबंध में सूचित करना है कि दिनांक 06.07.2011 के प्रभाव से वाणिज्य–कर विभाग में झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 तथा सुसंगत नियमावली के अधीन e-registration योजना का शुभारंभ किया जा चुका है। उसी क्रम में केन्द्रीय बिक्री कर (झारखण्ड) नियमावली, 2006 के नियम 3 (ii), झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर नियमावली, 2006 के नियम 3A (vi) के साथ पठित, के प्रावधान के अनुसार आयुक्त द्वारा केन्द्रीय बिक्री कर, 1956 की धारा 7(1) के अधीन e-registration हेतु प्रक्रिया (विभागीय संकल्प संख्या– 211 दिनांक 01.02.2011 के सदृश्य) विहित की जाती है:–

1. केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम के अधीन निबंधन प्राप्त करने हेतु इच्छुक व्यवसायी विभागीय वेबसाईट http://jharkhandcomtax.nic.in के e-services Section के अधीन **e-registration** के link को **click** करने के उपरांत VAT के साथ–साथ CST Registration, **Form-A** को भरकर ऑन–लाईन आवेदन समर्पित कर सकते हैं।
2. ऐसे व्यवसायी जिन्होंने झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2005 तथा सुसंगत नियमावली के अधीन पूर्व में ही निबंधन प्राप्त कर चुके हैं उन्हें विभागीय वेबसाईट http://jharkhandcomtax.nic.in के e-services Section के **e-return (Dealer's Login)** link के माध्यम से **CNTRAL FORM** menu के **Sub-menu CST Registration** में click कर विहित आवेदन प्रपत्र **Form-A** में ऑन–लाईन आवेदन समर्पित करना होगा।

3. अंचल प्रभारी द्वारा ऐसे दाखिल/प्राप्त ऑन-लाईन आवेदनों का सत्यापन (verification) किया जाएगा। आवेदन प्राप्त होने के दो दिनों के अन्दर व्यवसायी को sms/e-mail द्वारा निर्धारित तिथि एवं समय पर आवश्यक कागजातों Security Bond सहित संबंधित अंचल प्रभारी के समक्ष उपस्थित होने की सूचना दी जाएगी।

निर्धारित तिथि एवं समय पर व्यवसायी ऑनलाईन समर्पित आवेदन की हस्ताक्षरित हार्ड कॉपी तथा अन्य संबंधित कागजातों की मूल प्रति के साथ अंचल प्रभारी के समक्ष उपस्थित होंगे। आवेदक व्यवसायी के आवेदन तथा उपस्थापित कागजातों के जॉच कर संतुष्ट होने के उपरांत अंचल प्रभारी द्वारा निबंधन प्रमाण-पत्र (Form-B) निर्गत किया जाएगा अन्यथा व्यवसायी के आवेदन को रद्द कर दिया जाएगा जिसकी सूचना sms/e-mail द्वारा कारण सहित आवेदक व्यवसायी को दी जाएगी।

4. CST के अधीन निबंधन प्रमाण पत्र के साथ आवंटित **TIN** झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर अधिनियम, 2006 के अधीन निर्गत **TIN** के समान होगा। उक्त **TIN** में अंतिम 3 Digit (101) Suffix कर दिया जाएगा।

5. ऑन-लाईन आवेदन तथा आवश्यक कागजात समर्पित करने के पॉच दिनों के भीतर TIN तथा निबंधन प्रमाण पत्र निर्गत किया जाना आवश्यक है।

6. ऐसे व्यवसायी जो पूर्व में ही Manually CST निबंधन प्रमाण पत्र प्राप्त कर चुके हैं उन्हें विभागीय वेबसाईट http://jharkhandcomtax.nic.in के e-services Section के **e-return (Dealer's Login)** में उपलब्ध **CENTRAL FORM** menu के **Sub-menu "CST Profile Update"** को update अपेक्षित है। CST Profile Update करने की पूरी प्रक्रिया विभागीय वेबसाईट के **"User Manual of Form 'C'"** में उपलब्ध है।

विश्वासभाजन

सचिव-सह-आयुक्त,
वाणिज्य-कर विभाग,
झारखण्ड, राँची।

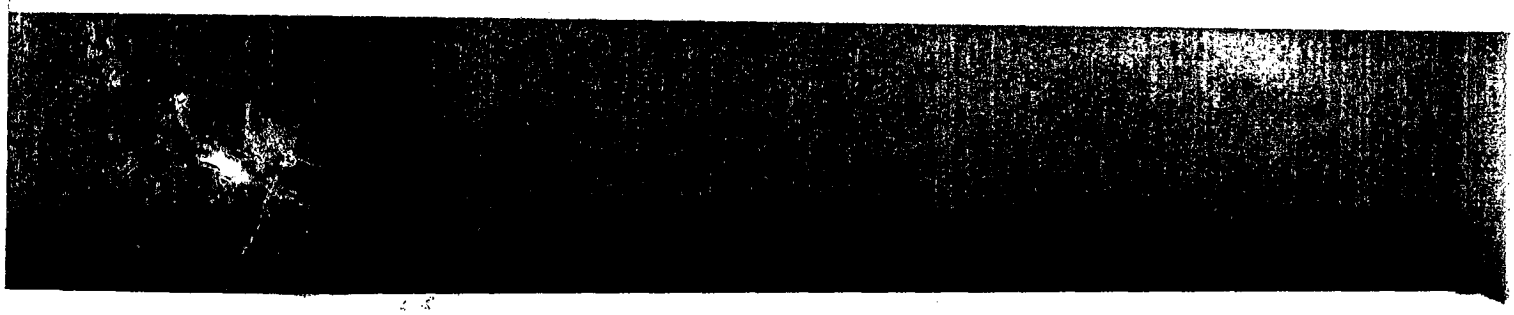

CHAPTER-II

Registration

3. Registration of Dealer.—(i) Every dealer, who held a valid certificate of registration under the Repealed Act, and whose liability to pay tax continues under the Repealed Act as well as under the Act, shall furnish particulars of the business, in Form JVAT 100 including information as contained in Annexure-I, II & III; along with two copies of recent passport size photographs, to the Registering Authority, within two months of coming into force of these rules without any fee, and within a further period of thirty days, with a late fee of one hundred rupees, failing which, he shall cease to be a dealer registered under the Act from the next day, following the expiry of the said period (s).

[1]["Provided the Joint Commissioner of Commercial Taxes (Administration), on application may condone the delay by a further period of one hundred eighty days with a late fee of Rs. 200/-"]

[2]["Provided further any registered dealer who is continued to be so liable to pay tax under the repealed Act and is also liable to pay tax under this Act and not applied for registration in JVAT 100, shall be treated to be unregistered dealer for the purpose of this Act and the provision of section 38 shall apply to such dealer(s)".]

[3]["Provided further that all such dealers registered under the repealed Act and a Taxpayer's Identification Number allotted to them, and who could not file application for registration in Form JVAT 100, and who continue to file returns and continue to pay tax under the Act, may file Application for registration in Form JVAT 100 within twelve months with a penalty of rupees one thousand along with an affidavit certifying that they were regularly filing the returns and paying the tax payable under the Act."]

(ii) Every dealer, whose application for registration under the Repealed Act, was pending for decision before its Repeal, shall furnish particulars of his business, in Form JVAT 100 along with two copies of his recent passport size photographs, to the Registering Authority, within thirty days of coming into force of these Rules, without any fee and within a further period of thirty days with a late fee of fifty rupees, failing which, he shall be deemed to have failed to apply for registration under the Act.

(iii) Such applications shall be signed, as the applicant, by the proprietor of the business; or in the case of a firm, by the partner authorised to act on behalf of the firm; or in the case of the business of an undivided Hindu family,by the Karta of the family; or in the case of a company incorporated under the Indian Companies Act, 1956 (1 of 1956) or a Corporation constituted under any law, by the Principal Officer or the Chief Executive Officer thereof; or in the case of a society, club or association of persons or a Department of Government or local authority, by the Principal Executive officer, or officer-in-charge thereof.

(iv) Where the Registering Authority is satisfied, if necessary after making an enquiry, that the information furnished to him in application in Form JVAT 100 including the information as contained in Annexure-I, II & III; is complete and correct and that the dealer is genuine, he shall issue to the dealer a Certificate of registration under the Act in Form JVAT 106 within fifteen days and grant him a registration number, which shall bear a unique number, to be known as "Taxpayer's Identification Number" or "TIN", which shall be valid from the Appointed Day, and where the Registering Authority finds otherwise, after giving a reasonable opportunity of being heard to the applicant, he shall by order in writing specifying reasons(s) thereof, reject the application. The order of rejection shall take effect, in case of a dealer, who held certificate of registration under the Repealed Act, from the date of the order, and in other cases from the Appointed Day without prejudice to the decision that may be taken on his application under the Repealed Act.

1. "Proviso" added by S.O. 62 dt. 9.3.2007 (w.e.f 1.4.2006).
2. Ins. by S.O. 27 dated 26.8.2009.
3. Ins. by S.O. 142 dated 23.7.2011

[1][The prescribed authority shall issue a registration certificate in Form JVAT 106 within five days of filing of such application in Form JVAT 100, which has been filed in terms of second proviso of sub-section (1) of Section 95.]

(v) An application for registration under sub-section (2) of Section 25, and sub-section (1) of Section 26, shall be made in form [3][JCRF (Jharkhand Common Registration Form], including the information, as contained in [3][Annexure I, II, III & IV annexed to Form JCRF], to the Registering Authority, in whose area the principal place of the business of the dealer is located, along with two copies of his recent passport size photographs and shall also furnish such photographs once in every five years. The Registering Authority shall issue a receipt for the application of registration.

[1]["Provided the dealer shall annex an affidavit, certifying that the contents of the application in [3][Form JCRF], are true and correct."

"Explanation I.—Such application for registration in [3][Form JCRF], may by option be filed by such dealers, who are proprietorship and whose turnover is likely to be within twenty five lakhs a year."

"Explanation II.—Notwithstanding anything contained in Explanation I and subject to Rule 3A, every dealer shall file application for reistration electronically."

(vi) Such an application shall be presented by a dealer within thirty days from the date of his becoming liable for payment of tax under the Act and shall be-

(a) [4][Digitally] Signed, as the applicant, by the proprietor of the business; or in the case of a firm, by the partner authorised to act on behalf of the firm; or in the case of the business of an undivided Hindu family, by the Karta or in the case of a company incorporated under the Indian Companies Act, 1956 (1 of 1956) or a Corporation constituted under any law, by the Principal Officer or the Chief Executive Officer thereof; or in the case of a society, club or association of persons or a Department of Government or local authority, by the Principal Executive Officer, or officer-in-charge thereof [4][or Declared Business Manager]

[4][Provided that the Commissioner may relax the provision of obtaining digital signature electronically for a particular period].

(b) Verified in the manner prescribed in the said Form.

(c) Where the Registering Authority is satisfied, that the information furnished to him in application [3][Form JCRF] is complete, true and correct, and that the dealer is genuine, he shall subject to Rule 5, issue to the dealer a Registration Certificate in Form JVAT 106 within five days from the date of filing of such application, and allot him a registration number which shall bear a unique number, to be known as "Taxpayer's Identification Number" or "TIN", [2][x x x]

[1][The Registering Authority thereafter may conduct an enquiry within thirty days from the date of issue of such registration certificate, and if upon enquiry anything otherwise than the application in Form JCRF along with the annexure and security furnished thereof are found, the registering authority subject to sub rule (vii) of this Rule, may revoke or cancel such Registration Certificate]

(vii) Where the Registering Authority is not satisfied with the information furnished by the applicant and has reasons to believe that the applicant does not meet the requirements for registration as dealer, he shall provide an opportunity specifying the reasons for refusal before passing any order for refusal to issue registration certificate.

1. Ins. by S.O. 142 dated 23.7.2011.
2. Deleted by ibid.
3. Subs by S.O. 57 dated 22.10.2014
4. Ins by ibid.